भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 860

दिनांक 29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पंजाब में कैंसर की उच्च दर

860. डॉ. धर्मवीर गांधी:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पंजाब में विशेषकर मालवा जैसे क्षेत्रों में कैंसर की उच्च दर से निपटने के लिए कोई योजनाएं शुरू की हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा अब तक कितने लाभार्थी हैं;

(ग) क्या सरकार कैंसर के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में वहनीय उपचार और जागरूकता कार्यक्रम प्रदान करने के लिए अतिरिक्त उपायों पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ):- भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम(एनपी-एनसीडी) के तहत पंजाब सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम अवसंरचना सुदृढीकरण, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उचित स्तर की स्वास्थ्य सेवा सुविधा के लिए रेफरल और कैंसर (मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के निवारण के लिए स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता सृजन करने पर केंद्रित है। राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम(एनपी-एनसीडी) के तहत, पंजाब में 23 जिला एनसीडी क्लीनिक, 1 जिला डे केयर सेंटर और 192 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनएचएम के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में कैंसर सहित सामान्य एनसीडी की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। सामान्य एनसीडी की जांच सेवा वितरण का अभिन्न अंग है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, 23 नवंबर, 2024 तक पंजाब में 19.97

लाख लोगों की मुंह के कैंसर, 9.92 लाख लोगों की स्तन कैंसर और 3.91 लाख लोगों की गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए जांच की गई है।

कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आगे की पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, विश्व कैंसर दिवस मनाना, निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के लिए जागरूकता सृजन से जुड़ी गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) के "ईट राइट इंडिया मूवमेंट" के माध्यम से "स्वस्थकर भोजन" को बढ़ावा दिया जाता है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" को क्रियान्वित किया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने विशिष्ट परिचर्या कैंसर सुविधा केंद्रों को सुदृढ़ करने की योजना लागू की है। यह योजना देश के विभिन्न भागों में राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और विशिष्ट कैंसर परिचर्या केंद्रों (टीसीसीसी) की स्थापना के लिए राज्य के भाग सहित 120 करोड़ रुपए और 45 करोड़ रुपए तक की एकबारगी वित्तीय सहायता प्रदान करती है। अब तक, 19 एससीआई और 20 टीसीसीसी को मंजूरी दी गई है, जिसमें सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में एससीआई और सिविल अस्पताल, फाजिल्का में टीसीसीसी शामिल हैं।

स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्रों में विभिन्न स्तरों पर कैंसर का निदान और उपचार किया जाता है। सरकारी अस्पतालों में उपचार या तो मुफ़्त है या गरीबों और ज़रूरतमंदों के लिए अत्यधिक सब्सिडी वाला है। आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत कैंसर का उपचार भी उपलब्ध है। इस योजना के तहत 12 करोड़ से ज़्यादा गरीब और कमज़ोर लाभार्थी परिवारों (लगभग 55 करोड़ लाभार्थी) को मध्यम या विशिष्ट परिचर्या अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है।

इसके अलावा, राज्य सरकारों के सहयोग से प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत सभी को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती हैं। कुछ अस्पतालों/संस्थानों में किफायती दवाइयाँ और उपचार के लिए विश्वसनीय प्रत्यारोपण (अमृत) फ़ार्मेसी स्टोर स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना में पर्याप्त छूट पर कैंसर की दवाओं सहित अन्य दवाइयाँ उपलब्ध कराना है।

******